impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 10-Apr-2010 Edition : Delhi Page No.: 3 Page Name: Corporate Size: 203.84 sq. cm

Sector: FMCG Circulation: 100000 AVE: INR 112113.37 Frequency: Daily

Publication: Business Bhaskar Title: Tata, Pepsi plan health-drinks JV

बिज़नेस भास्कर

टाटा और पेप्सी मिलकर पिएंगी हेल्थ ड्रिंक

प्रेट्र • मुंबई

टाटा और ग्लोबल कोला कंपनी पेप्सीको जूस जैसे ड्रिंक के लिए ज्वाइंट वेंचर (जेवी) बनाने की संभावना तलाशने को तैयार हो गई हैं। टाटा टी के मुताबिक कंपनी बोर्ड ने पेप्सीको के साथ नॉन-कार्बोनेटेड बेवरेज बिजनेस के लिए जेवी गठित करने की संभावनाओं को तलाशने की मंजूरी दे दी है।

टाटा टी ने कहा कि प्रस्तावित जेवी में दोनों कंपनियों के मौजूदा गठबंधन आड़े नहीं आएंगे। दोनों कंपनियों के बीच होने वाली डील जरूरी मंजूरी पर निर्भर करेगी। कंपनी के मुताबिक प्रस्तावित जेवी के लिए समझौते पर अंतिम निर्णय आने वाले कुछ महीनों में ले लिया जाएगा। इस घोषणा के बाद कंपनी का शेयर बीएसई में 2.83 फीसदी यानी 27.55 रुपये की बढ़त के साथ 1,000.05 रुपये पर बंद हुआ।

दुनियाभर की बेवरेज कंपनियों का फोकस अब हेल्थ और वेलनेस ड्रिंक के बाजार पर है। हाल ही में भारत दौरे के दौरान पेप्सीको की प्रमुख इंदिरा नुई ने कहा था कि उम्मीद है, आने वाले सालों में कंपनी की कुल बिक्री में एनर्जी ड्रिंक की हिस्सेदारी 50 फीसदी होगी। मार्केट रिसर्च कंपनी डाटामॉनीटर पीएलसी के मुताबिक मौजूदा समय में भारत का एनर्जी ड्रिंक बाजार 500 करोड़ रुपये का है। इस साल के अंत तक इस बाजार के दोगुने यानी 1,000 करोड़ का होने की उम्मीद है। वहीं, भारत का कार्बोनेटेड ड्रिंक बाजार 6 हजार करोड़ रुपये से ऊपर का है। मगर इस बाजार की रफ्तार नॉन-कार्बोनेटेड ड्रिंक की तुलना में काफी कम है। टाटा टी, बेवरेज बाजार की जानी-मानी कंपनी है, जो 40 से ज्यादा देशों में कारोबार करती है। चाय के अलावा टाटा टी 'हिमालयन' ब्रांड के साथ नेचुरल मिनरल वाटर और 'टी ऑयन' ब्रांड के साथ एनर्जी ड्रिंक बाजार में भी अपनी मौजूदगी रखती है। वहीं, 60 अरब डॉलर की कंपनी पेप्सीको भी ट्रॉपिकाना, निंबूज और गैटोरेड ब्रांडों से हेल्थ और वेलनेस ड्रिंक बाजार में प्रमुख हिस्सेदारी जमाए हुए है।

© Business Bhaskar